अगस्त–2020 मासिक पंचांग

संवत् 2077, शक संवत् 1942, वर्षा ऋतु, रवि दक्षिणायने, श्रावण शुक्ल पक्ष

दि.	वार	तिथि	घंटा–मिनिट	–नक्षत्र–	घंटा–मिनिट	राशि चन्द्रमा समय	.....व्रत–पर्व–त्यौंहार.....
1	शनि	13	21–54	मला	06–47	धन	शनि प्रदोष व्रत
2	रवि	14	21–28	पूर्वाषाढ़ा	06–51	धनू 12–56 तक	पूर्णिमा व्रत
3	सोम	15	21–28	उ. षाढा	07–18	मकर	रक्षाबंधन
4	मंगल	1	21–54	श्रवण	08–10	मकर 20–46 तक	
5	बुध	2	22–40	धनिष्ठा	09–29	कुम्भ	
6	गुरु	3	24–14	शतभिषा	11–17	कुम्भ	कज्जली तीज
7	शुक्र	4	26–06	पू.भाद्रपद	13–32	कुम्भ 06–56 तक	बहला चतर्थी व्रत
8	शनि	5	28–18	उ.भाद्रपद	16–11	मीन	
9	रवि	6	पूर्ण	रेवती	19–04	मीन 19–05 तक	हलचन्दन षष्ठी व्रत
10	सोम	6	06–42	अश्विनी	22–05	मेष	
11	मंगल	7	09–06	भरणी	24–56	मेष	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
12	बुध	8	11–16	कृतिका	27–25	मेष 07–36 तक	
13	गुरु	9	12–58	रोहिणी	29–19	वष	
14	शुक्र	10	14–01	मृगशीर्ष	पूर्ण	वृष 18–04 तक	
15	शनि	11	14–20	मगशीर्ष	06–35	मिथन	अजा एकादशी
16	रवि	12	13–50	आर्द्रा	07–02	मिथन 24–52 तक	गौवत्स द्वादशी
17	सोम	13	12–35	पुनर्वसु	06–43	कर्क	मास शिवरात्रि
18	मंगल	14	10–39	आश्लेषा	28–07	कर्क 28–07 तक	
19	बुध	30	08–11	मघा	26–06	सिंह	पिठोरी अमावस्या
20	गुरु	2	29–19	पू.फाल्गुनी	23–50	सिंह 29–14 तक	रामदेव द्वितीया
21	मंगल	3	26–13	उ.फाल्गुनी	21–28	कन्या	हरितालिका तीज
22	बुध	4	23–02	हस्त	19–10	कन्या 30–06 तक	श्री गणेश चतर्थी
23	गुरु	5	19–57	चित्रा	17–05	तुला	ऋषि पंचमी
24	शुक्र	6	17–04	स्वाति	15–19	तुला	बलदेव षष्ठी
25	शनि	7	14–31	विशाखा	13–58	तला 08–16 तक	राधाष्टमी
26	रवि	8	12–21	अनूराधा	13–03	वृश्चिक	महालक्ष्मी व्रत प्रारम्भ
27	सोम	9	10–39	ज्येष्ठा	12–36	वृश्चिक 12–36 तक	श्री चंद्रनवमी
28	मंगल	10	09–25	मला	12–36	धन	महालक्ष्मी व्रत पर्ण
29	बुध	11	08–38	पू. षाढ़ा	13–02	धनू 19–12 तक	पदमा (जलझूलनी) एकादशी
30	गुरु	12	08–17	उ. षाढ़ा	13–51	मकर	
31	शुक्र	13	08–21	श्रवण	15–03	मकर 27–47 तक	पंचक प्रारम्भ

नोट– यह स्टेण्डर्ड टाईम के अनुसार पंचांग है। पूर्णिमा को 15 एवं अमावस को 30 दर्शाया गया है। घंटा–मिनिट 24 बजे तक प्रदर्शित है। जो तिथि–नक्षत्र, चन्द्रमा अगली तारीख तक रहते हैं, उन्हें 24 बजे के बाद तक भी प्रदर्शित किया है। दोपहर के चार बजे को 16 एवं रात्रि के चार बजे को 28 बजे लिखा गया है, जिससे समझने में आसानी रहे। सभी अंक समाप्ति काल को दर्शाते हैं अर्थात् उक्त तिथी या नक्षत्र उस समय तक है। उसके पश्चात अगली तिथि या नक्षत्र आरम्भ होगा। इस जानकारी का भी लाभ उठायें।